Seventeenth Loksabha

an>

Title: Regarding Declaration of Jharkhand as a Drought affected State

श्री सुदर्शन भगत (लोहरदगा): मैं सरकार का ध्यान वर्षा के दिनों में झारखंड में हुई बेहद कम वर्षा से उत्पन्न स्थिति की ओर आकर्षित करना चाहता हूँ। मेरे संसदीय क्षेत्र के जिला मला, लोहरदगा एवं रांची के मॉण्डर में अधिकांश लोग कृषि कार्यों से प्राप्त आय पर आजीविका चलाते हैं। मेरे संसदीय क्षेत्र में लोगों की प्रमुख आय के साथ-साथ वर्ष भर की खाद्य सामग्री के रूप में धान की फसल बहुत महत्व रखती है। झारखण्ड राज्य में कृषि की स्थिति के आधार पर वहां की अर्थव्यवस्था निर्भर रहती है। झारखण्ड राज्य में इस वर्ष अपेक्षा एवं आवश्यकता के अनुरूप वर्षा न हो पाने के कारण ठीक से धान की रोपाई नहीं हो सकी है। वर्षा आधारित कृषि होने के कारण आज झारखण्ड के किसान धान सहित अन्य जरुरी फसलों की बुवाई नहीं कर पा रहे हैं।

कृषि ही झारखण्ड के लोगों के लिए आय का प्रमुख स्त्रोत है, साथ ही वर्षभर घरों में खाद्य सामग्री की व्यवस्था करने का प्रमुख साधन भी है। ग्रामीण अंचल में लोगों को कम वर्षा से उत्पन्न स्थिति के कारण बहुत नुकसान होने जा रहा है। पूरे वर्ष भर उन्हें कठिनाईयों का सामना करना पड़ेगा। राज्य की आर्थिक स्थिति पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा।

मेरा सरकार से निवेदन है, झारखण्ड राज्य में सूखे की स्थिति को ध्यान में रखते हुए व किसानों एवं जनता को होने वाली कठिनाइयों को ध्यान में रखते हुए झारखण्ड राज्य में सूखा घोषित किया जाये एवं किसानों एवं ग्रामीणों के हितों को ध्यान में रखते विशेष सहायता की घोषणा की जाये जिससे कि झारखण्ड की जनता वर्षा कम होने (सूखा) से उत्पन्न स्थिति का सामना कर सके।